

This question paper contains 16+8+4 printed pages]

Your Roll No

आपका अनुक्रमांक

6457

M.Com./I

J

Course 417—FINANCIAL MANAGEMENT AND POLICY

(Admissions of 2008 and before)

Time . 3 Hours

Maximum Marks 75

समय : 3 घण्टे

पूर्णांक : 75

Note — The maximum marks printed on the question paper are applicable for the candidates registered with the School of Open Learning. These marks will, however, be scaled down proportionately in respect of the students of regular colleges, at the time of posting of awards for compilation of result.

(Write your Roll No on the top immediately on receipt of this question paper.)

(इस प्रश्न-पत्र के मिलते ही ऊपर दिए गए निर्धारित स्थान पर अपना अनुक्रमांक लिखिए।)

Note — Answers may be written *either* in English or in Hindi, but the same medium should be used throughout the paper.

इस प्रश्न-पत्र का उत्तर अंग्रेजी या हिन्दी किसी एक भाषा में दीजिए; लेकिन सभी उत्तरों का माध्यम एक ही होना चाहिए।

Attempt All questions All questions carry equal marks.

Answers should be short and specific.

सभी प्रश्न कीजिये। सभी प्रश्नों के अंक समान हैं।

उत्तर संक्षिप्त तथा सटीक होने चाहिये।

P.T.O. —

- 1 (a) Explain the emerging role of finance manager in a company in the wake of global financial crisis and recent corporate scams

Or

“Financial management is nothing but managerial decision-making on asset-mix, capital-mix and profit allocation ” Explain 7½

- (b) Maximisation of wealth of shareholders is equivalent to maximisation of EPS Do you agree ? Explain

Or

A Ltd is considering a proposal to acquire T Ltd so as to avail the synergistic advantage and capture a larger market share Various parameters of the companies are given below :

	A Ltd.	T Ltd.
No of Equity Shares	2,00,000	1,50,000
Earnings after taxes (Rs)	6,00,000	3,00,000
Market price per share (Rs.)	20	15

- (i) If merger is expected to bring a gain of Rs. 10,00,000, what is the total value of combined entity ?
- (ii) How many shares are required to be issued by A Ltd if merger takes place by exchange of equity shares and exchange ratio is based on EPS ?
- (iii) Calculate the post merger EPS of the combined entity. 7½

(क) वैश्विक वित्तीय संकट और हाल ही में हुए कंपनी घोटालों को देखते हुए वित्तीय प्रबंधक की कंपनी में बढ़ती हुई भूमिका की व्याख्या कीजिए ।

अथवा

“वित्तीय प्रबंध केवल परिसंपत्ति-मिश्र, पूंजी-मिश्र और लाभ-विनिधान के संबंध में प्रबंधकीय निर्णयन के अलावा और कुछ नहीं है ।” व्याख्या कीजिए ।

(ख) शेयरधारियों के धन का अधिकतमीकरण ई पी. एस. के अधिकतमीकरण के समान है । क्या आप इससे सहमत हैं ? व्याख्या कीजिए ।

अथवा

A लिमिटेड, T लिमिटेड को अर्जित करने के प्रस्ताव पर विचार कर रही है ताकि सहक्रिया का लाभ उठा सके और बाज़ार में बड़े हिस्से को वश में कर सके । इन दो कंपनियों के विभिन्न प्राचलों को नीचे दिया जा रहा है :

	A लिमिटेड	T लिमिटेड
ईक्विटी शेयरों की संख्या	2,00,000	1,50,000
कर चुकाने के बाद आय (रु.)	6,00,000	3,00,000
प्रति शेयर बाज़ार भाव (रु)	20	15

- (i) यदि 10,00,000 रु का लाभ प्राप्त करने के लिए विलय की आशा हो, तो सम्मिलित सत्ता का कुल मूल्य क्या है ?
- (ii) यदि इक्विटी शेयरों के विनिमय द्वारा विलय हो तो A लिमिटेड को कितने शेयर जारी करने होंगे और विनिमय अनुपात ई. पी. एस. पर आधारित हो ।
- (iii) सम्मिलित सत्ता के विलय पश्चात् ई.पी. एस. का परिकलन कीजिए ।

2. (a) Write short notes on :

- (i) Scenario Analysis;
- (ii) Risk adjusted discount rate method.

Or

A company is considering two mutually exclusive projects X and Y Project X costs Rs. 30,000 and

P.T.O. —

project Y Rs 36,000 The net present value probability distribution for each project is given as follows .

Project X		Project Y	
NPV (Rs)	Probability	NPV (Rs)	Probability
3,000	0 1	3,000	0 2
6,000	0 4	6,000	0 3
12,000	0 4	12,000	0 3
15,000	0 1	15,000	0 2

- (i) Compute the expected NPV of Projects X and Y
- (ii) If standard deviation of Projects X and Y are Rs. 3,800 and Rs. 3,600 respectively, which project do you think is more risky and why ?

7½

(b) A company is considering two mutually exclusive projects P and Q. Project P requires an initial investment outlay of Rs 1,00,000 and will generate cash inflows after taxes (CFAT) of Rs 25,000 per year for 10 years which is the expected economic life of the project

Project Q requires an initial investment of Rs. 1,50,000 and will generate CFAT of Rs 34,500 per year for first 5 years and Rs. 50,000 per year for the next 3 years The total life of the project is 8 years

Which project should be undertaken by the firm and why ? Assume that the cost of capital is 14%

Or

Explain the following

(i) Replacement chain principle;

(ii) MIRR.

7½

(क) संक्षिप्त टिप्पणियाँ लिखिए :

(i) दृश्य योजना विश्लेषण;

(ii) जोखिम समायोजित बढ़ा दर विधि ।

अथवा

एक कंपनी दो परस्पर व्यावर्तक परियोजनाओं यथा X

और Y पर विचार कर रही है । परियोजना X की लागत

30,000 रु. और Y परियोजना की 36,000 रु. है । प्रत्येक

परियोजना का निवल वर्तमान मूल्य प्रायिकता बंटन इस प्रकार है :

परियोजना X		परियोजना Y	
NPV (रु)	प्रायिकता	NPV (रु)	प्रायिकता
3,000	0.1	3,000	0.2
6,000	0.4	6,000	0.3
12,000	0.4	12,000	0.3
15,000	0.1	15,000	0.2

(i) परियोजना X और Y के प्रत्याशित NPV का अभिकलन कीजिए ।

(ii) यदि परियोजना X और Y का मानक विचलन क्रमशः 3,800 रु. और 3,600 रु हो, तो आपके विचार से कौनसी परियोजना अधिक जोखिम वाली है और क्यों ?

(ख) एक कंपनी दो परस्पर व्यावर्तक परियोजनाओ यथा P और Q पर विचार कर रही है । परियोजना P के लिए 1,00,000 रु के आरम्भिक निवेश परिव्यय की आवश्यकता है और इससे 10 वर्ष तक 25,000 रु प्रति वर्ष कर चुकाने के बाद रोकड़ प्रवाह पैदा होगा जो कि परियोजना का प्रत्याशित आर्थिक जीवन है ।

परियोजना Q के लिए 1,50,000 रु के निवेश की जरूरत है और इससे प्रथम 5 वर्ष के लिए 34,500 रु प्रति वर्ष और अगले 3 वर्ष के लिए 50,000 रु प्रति वर्ष CFAT पैदा होगा । परियोजना का कुल जीवनकाल 8 वर्ष है ।

फर्म को किस परियोजना को लेना चाहिए और क्यों ? मान लीजिए कि पूँजी की लागत 14% है ।

अथवा

निम्नलिखित की व्याख्या कीजिए :

- (i) प्रतिस्थापन शृंखला सिद्धांत,
- (ii) MIRR.

- 3 (a) Explain trade-off theory on the relationship between financial leverage and cost of capital
How is it inconsistent with the pecking order theory of capital structure ?

Or

Firm U and L belong to the same risk class and have same EBIT But U is an all equity firm while L has employed 15% debt also of Rs 10,00,000
Find out by what amount, value of firm L will be different from that of U in the following situations :

- (i) Corporate tax rate (t_c) = 35%, tax rate on dividend income (t_{pe}) = 10% and tax rate on interest income (t_{pd}) = 30%
- (ii) $t_c = 35%$, $t_{pe} = t_{pd} = \text{nil}$
- (iii) $t_c = t_{pd} = 35%$ and $t_{pe} = \text{nil}$ 7½

P T O

(b) Sakshi Ltd needs Rs 9 lakh to finance an expansion project which is expected to provide EBIT of Rs 1,35,000. The company is considering three alternative financial plans as given below

Plan I : 60% equity and 40% debt

Plan II . 50% equity and 50% debt

Plan III 60% debt and 40% equity

Shares can be sold at a net price of Rs 20 per share. Funds can be borrowed as follows .

	Interest Rate
Upto and including Rs. 1,80,000	14%
Rs 1,80,001—4,50,000	15%
Over Rs 4,50,000	17%

If the objective of the firm is to maximise EPS, which alternative would you recommend? Assume that tax rate is 35%.

Or

Explain how traditional approach to capital structure provides a midway between NI and NOI approach of capital structure 7½

(क) वित्तीय संयोजन और पूँजी लागत के बीच संबंध पर 'वस्तु-विनिमय सिद्धांत की व्याख्या कीजिए । पूँजी संरचना के बलाधिक्रय सिद्धांत के साथ इसका मेल क्यों नहीं है ?

अथवा

फर्म U और L समान जोखिम वाली कक्षा की हैं और दोनों का EBIT समान है । परंतु U संपूर्ण इक्विटी फर्म है जबकि L ने 15% पर 10,00,000 रु. ऋण प्रयोग में लिया है । ज्ञात कीजिए कि फर्म L का

P T O.

मूल्य निम्नलिखित परिस्थितियों में U के मूल्य से कितना भिन्न होता है ?

(i) कंपनी कर दर (t_c) = 35%, लाभांश आय पर कर-दर (t_{pe}) = 10% और ब्याज की आय (t_{pd}) पर कर-दर = 30% है ।

(ii) $t_c = 35%$, $t_{pe} = t_{pd} =$ शून्य ।

(iii) $t_c = t_{pd} = 35%$ और $t_{pe} =$ शून्य ।

(ख) साक्षी लिमिटेड को एक विस्तार परियोजना के लिए 9 लाख रु. की जरूरत है जिससे 1,35,000 रु. की EBIT प्राप्त करने की आशा है । कंपनी नीचे दी गई तीन विकल्पी वित्त योजनाओं पर विचार कर रही है :

योजना I : 60% इक्विटी और 40% ऋण

योजना II : 50% इक्विटी और 50% ऋण

योजना III : 60% ऋण और 40% इक्विटी ।

शेयरों को 20 रु. प्रति शेयर निवल कीमत पर बेचा जा सकता है । रुपया इस प्रकार उधार लिया जा सकता है :

व्याज दर

1,80,000 रु. को शामिल करके इस

राशि तक	14%
---------	-----

1,80,001 से 4,50,000 रु. तक	15%
-----------------------------	-----

4,50,000 रु से ऊपर	17%
--------------------	-----

यदि फर्म का उद्देश्य EPS को अधिकतम बनाना हो, तो आप किस विकल्प की सिफारिश करेंगे ? मान लीजिए कि कर-दर 35% है ।

अथवा

पूँजी संरचना के लिए परंपरागत उपागम किस प्रकार पूँजी संरचना के NOI उपागम के बीच मध्यमार्ग प्रदान करता है ? व्याख्या कीजिए ।

- 4 (a) "In spite of higher taxability of dividend income as compared to capital gains, firms pay dividends"

Do you agree ? If yes, give the reasons why do companies pay dividends ?

Or

The following information is relating to Sharan Ltd

Earnings of the firm	Rs 2 lakh
Dividends paid	Rs 1 5 lakh
P/E Ratio	12 5

The company was started a year ago with an equity capital of Rs 20 lakh divided into 20,000 equity shares of Rs 100 each The company is expected to maintain its current rate of earnings on investment

Ascertain whether the firm's D/P ratio is optimal as per Walter's model. If not, what should be the optimal D/P ratio? Also find out the PE ratio at which the dividend payout ratio will have no effect on the value of the share 7½

(b) Explain the following briefly

- (i) Spontaneous sources of current assets financing,
- (ii) Playing the float as a technique of cash management

Or

Ratna Ltd is considering relaxing its collection effort policy. At present its sales are Rs 150 lakh, average collection period 35 days, variable cost to sales ratio 0.80, cost of capital 14%, bad

P T O

debt ratio 0.04 and tax rate applicable is 35%
The relaxation in collection efforts is expected to push sales to the level of Rs 180 lakh, increase average collection period to 45 days and raise the bad debt ratio to 0.05. Advise the company as to whether it should relax collection efforts or not ? 7½

- (क) पूँजी लाभ की तुलना में लाभांश आय के उच्च कर-दायित्व के बावजूद फर्म लाभांश देती है। क्या आप इससे सहमत हैं ? यदि हाँ, तो कारण दीजिए कि कंपनियाँ लाभांश क्यों देती हैं ?

अथवा

शरन लिमिटेड के संबंध में निम्नलिखित सूचनाएँ हैं :

फर्म की आयें	2 लाख रु
दत्त लाभांश	15 लाख रु
P/E अनुपात	12.5

कंपनी 20 लाख रु की ईक्विटी पूँजी से एक वर्ष पहले शुरू हुई थी जो राशि 100 रु वाले 20,000 ईक्विटी शेयरों में बँटी हुई थी । कंपनी निवेश पर चालू दर पर आय बनाए रखने की आशा करती है ।

मालूम कीजिए कि क्या वाल्टर-मॉडल के अनुसार फर्म का D/P अनुपात इष्टतम है ? यदि नहीं, तो इष्टतम D/P अनुपात क्या होना चाहिए ? साथ ही PE अनुपात ज्ञात कीजिए जिस पर लाभांश अदायगी अनुपात का शेयर के मूल्य पर कोई प्रभाव नहीं होगा ।

(ख) निम्नलिखित की संक्षेप में व्याख्या कीजिए :

- (i) चालू परिसंपत्तियों के वित्तीयन के स्वतः स्रोत;
- (ii) नकदी प्रबंधन तकनीक के रूप में प्रवर्तन का कार्य

करना ।

अथवा

रतना लिमिटेड अपनी संग्रह प्रयास नीति में ढील देने की सोच रही है । इस समय उसकी बिक्री 150 लाख रु है, औसत संग्रह काल 35 दिन है, परिवर्ती लागत का बिक्री से अनुपात 0.80 है, पूँजी लागत 14% है, अशोध्य ऋण अनुपात 0.04 है और प्रयोज्य कर-दर 35% है । संग्रहण प्रयासों में ढील से बिक्री का स्तर 180 लाख रु होने की आशा है । औसत संग्रह अवधि बढ़ाकर 45 दिन और अशोध्य ऋण अनुपात बढ़कर 0.05 हो गया है । कंपनी को सलाह दीजिए कि उसे संग्रह प्रयासों में ढील देनी चाहिए या नहीं ?

- 5 Ram Lal and Associates (RLA) was organised as a partnership firm in 1979, with its main office in Delhi. Since that time, the firm diversified into various product lines, both in manufacturing and trading, and also expanded its market. Sales of

RLA increased from Rs 70 lakh in 1979 to the estimated figure of Rs 20 crore for the accounting year ending on March 31, 2009. At present, RLA has three works offices engaged in processing of basic industrial chemicals, production of hardware goods and leather products. In addition to this, RLA also owns one cold storage-cum-warehouse. For the last two years, RLA is experiencing the problem of low profits. Mr. Ram Lal has asked each unit supervisor to submit his suggestions to improve the long-run profitability of the company. While going through various suggestions, Mr. Ram Lal found two proposals worth considering. He estimated that the use of 12 percent after-tax required rate of return would be appropriate in evaluating the proposals. RLA's tax rate is estimated at 35 percent.

PTO

The first proposal Mr Ramlal selected was

I New Investment Proposal

The chemicals processing works office head has suggested that RLA should invest in a plant which can produce a new chemical He expects that the new product would be widely accepted and used by the manufacturers of plastic bags The works manager of that unit submitted the following information on the basis of market survey and sales forecasts made by him

Estimated Investment	Rs. 40 lakh
Estimated life	10 years
Estimated EBDT (Earnings before Depreciation and Taxes) over the life of plant	Rs 10 lakh per annum

He has estimated that the salvage value of the machine at the end of its expected life is likely to be 50 percent of its book value. Further, he mentions in his proposal that RLA would be entitled for depreciation at the rate of 25 percent using diminishing balance method.

Find out is it wise for Ramlal to invest in this proposal ?

The second proposal was Cost Saving Proposal .

The hardware unit supervisor submitted the cost reduction techniques proposal. This proposal required a machine which can be bought for Rs 46.35 lakh paid in cash.

However, the company supplying the machine also provides the facility of purchasing the machine on

P T O

instalment basis In that case the amount has to be paid in eight equal annual instalments and the rate of interest compounded annually by the company would be 18 percent

You are required to find out the amount of instalment which the company would be required to pay each year

Given that the life of this machine is 15 years, how much after tax cost savings should accrue to RLA to recover the investment made on the machine ? 15

Or

Explain the following

- (a) Radical position on dividends,
- (b) Different approaches to current assets financing

राम लाल एण्ड ऐसोसिएट्स (RLA) फर्म की 1979 में एक भागीदारी फर्म के रूप में आयोजना की गई थी जिसका प्रधान कार्यालय दिल्ली में था । उस समय से फर्म ने अपने विभिन्न उत्पादों की विनिर्माण एवं व्यापार दोनों पंक्तियों को विविधकृत कर दिया है और RLA का बाजार में हिस्सा 1979 में 70 लाख रु. से बढ़कर 31 मार्च, 2009 को समाप्त होने वाले लेखा-वर्ष के लिए अनुमानतः 20 करोड रु. तक हो गया है । इस समय RLA में तीन कार्य-अधिकारी नियुक्त हैं जो मूलभूत औद्योगिक रसायनों को तैयार करने, हार्डवेयर सामानों और चमड़े से बनी चीजों के उत्पादन में लगे हुए हैं । इसके अतिरिक्त RLA का अपना कोल्ड स्टोरेज व वेयरहाउस है । पिछले दो वर्ष से RLA लाभ कम होने की समस्या का अनुभव कर रहा है । मिस्टर राम लाल ने प्रत्येक यूनिट के पर्यवेक्षक से कंपनी की दीर्घकालिक लाभ-प्रदता को बढ़ाने के लिए सुझाव माँगे हैं । विभिन्न सुझावों को देखकर मिस्टर रामलाल ने दो प्रस्तावों को विचारयोग्य पाया ।

उसका अनुमान है कि वांछित प्रतिफल-दर कर चुकाने के बाद 12% रखना प्रस्तावो का मूल्यांकन करने में उपयुक्त होगा। RLA की कर-दर अनुमानतः 35% है।

राम लाल ने जिस प्रथम प्रस्ताव को चुना वह यह है :

I नवीन निवेश प्रस्ताव :

रासायनिक प्रक्रमण कार्यशाला के कार्यालय प्रमुख ने सुझाव दिया है कि RLA को ऐसे संयंत्र में निवेश करना चाहिए जो नए रसायन को तैयार कर सके। उसे आशा है कि नया उत्पाद व्यापक रूप से स्वीकार किया जाएगा और प्लास्टिक की थैलियों के निर्माताओं द्वारा प्रयोग में लिया जाएगा। उस यूनिट के कार्यशाला प्रबंधक ने बाजार का सर्वेक्षण करके निम्नलिखित सूचनाएँ भेजी हैं और बिक्री के बाद में ये पूर्वानुमान प्रस्तुत किए हैं :

अनुमानित निवेश	40 लाख रुपए
अनुमानित जीवनकाल	10 वर्ष
अनुमानित EBDT (मूल्यह्रास और करों से पहले आय), संयंत्र के	10 लाख रुपए
जीवन काल में	प्रति वर्ष

उसने अनुमान लगाया है कि मशीन के प्रत्याशित जीवनकाल के अंत में मशीन का निस्तारण मूल्य उसके ख़ाता मूल्य का 50 फीसदी हो सकता है । इसके साथ ही वह प्रस्ताव में कहता है कि RLA को हासमान शेष विधि का प्रयोग करके 25% की दर से मूल्यह्रास लेने का हक होगा ।

ज्ञात कीजिए कि क्या राम लाल के लिए इस प्रस्ताव में निवेश करना विवेकपूर्ण होगा ?

दूसरा प्रस्ताव, लागत में बचत करने का प्रस्ताव था :

हार्डवेयर यूनिट के पर्यवेक्षक ने लागत कम करने की तकनीक वाला प्रस्ताव दिया है । इस प्रस्ताव के लिए एक मशीन की आवश्यकता होगी, जिसे नकद 46 35 लाख रुपए देकर खरीदा जा सकता है ।

तथापि जो कंपनी यह मशीन सप्लाई करती है वह किस्तों में खरीदने की सुविधा देती है । ऐसी स्थिति में यह राशि आठ

बराबर किस्तों में देनी होगी और वार्षिक रूप में संयुक्त ब्याज दर 18 प्रतिशत होगी ।

आपको ज्ञात करना है कि प्रति वर्ष कंपनी को किस्त की राशि कितनी देनी होगी ?

दिया गया है कि इस मशीन का जीवनकाल 15 वर्ष है । बताइए कि कर चुकाने के बाद RLA को कितनी लागत-बचत होगी जिससे मशीन पर किया गया निवेश वसूल हो जाए ?

अथवा

निम्नलिखित की व्याख्या कीजिए :

- (क) लाभांशों पर आमूल परिवर्तनवादी स्थिति;
- (ख) चालू परिसंपत्तियों के लिए वित्तीयन के विभिन्न उपागम ।